पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप देने की जरूरत : वेंकटेश

बीकानेर, (कासं)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं जन-जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वन विभाग द्वारा गुरूवार को वंदे गंगा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत रन फॉर एनवायरमेंट का आयोजन किया गया।

रन फॉर एनवायरमेंट जागरूकता दौड़ को हरी झंडी सुबह करीब साढ़े सात बजे मुख्य वन संरक्षक हनुमानाराम, निगम कमिश्नर सिद्धार्थ पलानीचामी, एसडीएम बीकानेर महिमा कसाना, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के क्षेत्रीय अधिकारी राजकुमार मीणा व बीकानेर रन क्लब के ईशान शर्मा ने संयुक्त रूप से दिखाकर रवाना किया।

'रन फॉर एनवायरमेंट' जागरूकता दौड़ को मुख्य वन संरक्षक हनुमानाराम, निगम कमिश्नर सिद्धार्थ पलानीचामी व उप वन संरक्षक जी. वेंकटेश ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

- रन का आयोजन उपवन संरक्षक कार्यालय पब्लिक पार्क से कलेक्ट्रेट होते हुए संभागीय आयुक्त कार्यालय, म्यूजियम सर्किल से सर्किट हाउस होते हुए पब्लिक पार्क उपवन संरक्षक कार्यालय तक किया गया

रन का आयोजन उपवन संरक्षक कार्यालय पब्लिक पार्क से कलेक्ट्रेट होते हुए संभागीय आयुक्त कार्यालय, म्यूजियम सर्किल से सर्किट हाउस होते हुए पब्लिक पार्क उपवन संरक्षक कार्यालय तक किया गया। रन से पहले उपवन संरक्षक कार्यालय परिसर में प्रतिभागियों को मुख्य वन संरक्षक हनुमानाराम ने जल संरक्षण, वृक्षारोपण, स्वच्छता तथा पर्यावरण संतुलन के प्रति जागरूकता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम का आयोजन वन विभाग द्वारा बीकानेर रन क्लब एवं राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के सहयोग से किया गया। उप वन संरक्षक जी. वेंकटेश ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप देने, वर्षा जल के संरक्षण तथा आमजन में प्रकृति एवं प्राकृतिक संसाधनों के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के उद्देश्य से इस दौड़ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को जल संरक्षण, वृक्षारोपण, स्वच्छता तथा पर्यावरण संतुलन के प्रति जागरूक करना था। निगम कमिश्नर सिद्धार्थ पलानीचामी ने बताया कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन तथा प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के कारण पर्यावरणीय चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। रन फॉर एनवायरमेंट के माध्यम से युवाओं, विद्यार्थियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, खेल संगठनों तथा आम नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया। दौड़ के दौरान प्रतिभागियों को पर्यावरण संरक्षण, जल बचत, प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली तथा हरित विकास से जुड़े संदेश भी दिए गए।

कार्यक्रम के समापन पर वन विभाग द्वारा प्रतिभागियों एवं आमजन को निःशुल्क पौधों का वितरण किया गया। इस दौरान लोगों को अधिकाधिक पौधे लगाने, उनकी नियमित देखभाल करने तथा पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक दिन का अभियान नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और स्वच्छ पर्यावरण सुनिश्चित करने की सतत प्रक्रिया है। प्रतिभागियों ने भी पौधारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

पांचवें दिन भी नहीं मिला नाबालिग

बीकानेर, (कासं)। खाजूवाला निवासी 17 साल के नरेश सोनी के आईजीएनपी नहर में गिरने की आशंका के बाद चलाया जा रहा सर्च ऑपरेशन जारी रहा। रविवार दोपहर से लापता नरेश का 96 घंटे से ज्यादा समय बीतने के बाद भी कोई सुराग नहीं मिला।

नहर किनारे उसके कपड़े और बैग मिलने के बाद पुलिस, एसडीआरएफ और विशेषज्ञ गोताखोरों की टीम लगातार तलाश में जुटी हुई है। पूगल थाना क्षेत्र में आईजीएनपी नहर की आरडी 685 के पास नरेश सोनी के कपड़े और बैग मिले थे। इसके बाद उसके नहर में गिरने की आशंका जताई गई। सूचना मिलने पर पूगल पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और नहर के अलग-अलग हिस्सों में सर्च ऑपरेशन शुरू किया।

तलाश अभियान को और तेज करने के लिए हरियाणा के गोताखोर प्रगट सिंह और उनकी टीम को बुलाया गया है। शुक्रवार को टीम ने नहर में उतरकर विशेष सर्च ऑपरेशन चलाया। गोताखोर नहर के गहरे हिस्सों और संभावित स्थानों पर लगातार खोजबीन कर रहे हैं। प्रगट सिंह और उनकी टीम हरियाणा और पंजाब में नहरों, तालाबों और अन्य जल स्रोतों में रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए जानी जाती है। टीम कई मामलों में लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल चुकी है।

सार-समाचार

आंधी से मृत पक्षियों को दफनाया

वेटरनरी विश्वविद्यालय परिसर में आंधी- तूफान से मृत पक्षियों को गड्ढे में दफनाया।

बीकानेर, (कासं)। राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय बीकानेर परिसर में गत रात्रि आई आंधी एवं तूफान से प्रभावित पक्षियों के लिए आपदा प्रबंधन तकनीकी केन्द्र द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आपदा प्रबंधन किये गये। केन्द्र के प्रमुख अन्वेषक प्रो. प्रवीण बिश्नोई ने बताया कि बुधवार को विश्वविद्यालय परिसर में आंधी एवं तूफान की प्राकृतिक आपदा से कई पक्षी मृत पाये गये। केंद्र के सहायक आचार्य डॉ. सोहेल मोहम्मद, शैलेन्द्र सिंह व अन्य सदस्यों द्वारा विश्वविद्यालय परिसर के विभिन्न स्थानों से मृत पक्षियों को व्यवस्थित रूप से एकत्रित किया गया। सार्वजनिक स्वास्थ्य, पर्यावरणीय स्वच्छता तथा जैव-सुरक्षा मानकों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी मृत पक्षियों का वैज्ञानिक एवं सुरक्षित तरीके से निस्तारण किया गया ताकि संक्रमण, दुर्गन्ध अथवा पर्यावरणीय प्रदूषण की किसी भी संभावित आशंका को प्रभावी रूप से रोका जा सके। इसके अतिरिक्त पक्षियों की मृत्यु के कारणों के वैज्ञानिक परीक्षण एवं सत्यापन के लिए कुछ मृत तोतों के नमूनों को पोस्टमार्टम एवं आवश्यक प्रयोगशाला जांच के लिए भी भेजा गया है ताकि परिसर में जनस्वास्थ्य एवं पर्यावरणीय सुरक्षा सुनिश्चित हो सकें।

कार्मिकों ने ली जल संरक्षण की शपथ

विद्युत निगम के अधीक्षण अभियंता राजेन्द्र कुमार ने निगम के कार्मिकों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई।

बीकानेर, (कासं)। जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के अधीक्षण अभियंता (जिला वृत) कार्यालय के अधीनस्थ समस्त कार्यालयों में वंदे गंगा, जल संरक्षण जन अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई। निगम के अधीक्षण अभियंता राजेंद्र कुमार ने बताया कि निगम के सभी कार्मिकों ने जल संरक्षण की शपथ ली। अधीक्षण अभियंता वृत कार्यालय में अधीक्षण अभियंता ने अभियान की रूपरेखा के बारे में बताया तथा कहा कि आज के दौर में जल संरक्षण और इसका समुचित उपयोग सबसे बड़ी चुनौती है। प्रत्येक नागरिक को इसमें भागीदारी निभानी चाहिए। इस दौरान कार्यालय परिसर की साफ-सफाई की गई तथा स्वच्छता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के तहत वृत के सभी उपखंड कार्यालयों में भी गतिविधियां हुई तथा यहां नियुक्त कार्मिकों ने विभाग के ट्रांसफॉर्मर के आस-पास झाड़-झंकार हटाए तथा साफ-सफाई की। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण किया गया। अधीक्षण अभियंता ने भी पौधा लगाकर ।

ढलान उल्टा होने से किसमीदेसर में सीवर का पानी बना मुसीबत

बीकानेर, (कासं)। गंगाशहर और किसमीदेसर इलाके में आरयूआईडीपी की ओर से बिछाई गई सीवरेज लाइन विकास के बजाय सबसे बड़ी मुसीबत बन गई है। विभाग के इंजीनियरों और ठेकेदार की जुगलबंदी ने तकनीकी लापरवाही करते हुए सीवरेज का ढलान ही उल्टा कर दिया। जब जनता ने इस पर विरोध जताया तो विभाग ने मामले को रफा-दफा करने के लिए एक जांच टीम भेज दी।

- ढलान सही नहीं होने के कारण सीवरेज का गंदा पानी आगे बढ़ने के बजाय जाम हो जाता है और लोगों के घरों व गलियों में बैक मारने लगता है

टीम ने धरातल पर निरीक्षण करने के बजाय बंद कमरों में बैठकर सब ठीक है की रिपोर्ट तैयार कर ली। इस लीपापोती पर जब जनता का आक्रोश भड़का तो बीकानेर दौरे पर आये यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने मामले को गंभीरता से लिया। मंत्री ने जयपुर के उच्चाधिकारियों से फोन पर बात कर नई टीम भेजकर निष्पक्ष जांच कराने का कड़ा आश्वासन दिया है।

नियम के मुताबिक सीवरेज का ढलान पानी के स्वाभाविक बहाव की तरफ होना चाहिए लेकिन यहां उल्टी गंगा बहा दी गई। स्लोप सही नहीं होने के कारण सीवरेज का गंदा पानी आगे बढ़ने के बजाय जाम हो जाता है और लोगों के घरों व गलियों में बैक मारने लगता है। इसके चलते हल्की सी बारिश में भी पूरा इलाका जलमग्न हो जाता है और हफ्तों तक पानी की निकासी नहीं होती।

स्थानीय प्रबुद्धजनों ने जब इस तकनीकी खामी को लेकर आरयूआईडीपी के खिलाफ मोर्चा खोला और शिकायतें दर्ज कराई तब जाकर विभाग ने दबाव में एक जांच टीम भेजी थी। यह कोई पहला मौका नहीं है जब गंगाशहर में आरयूआईडीपी के काम पर उंगलियां उठी हों। गाहे-बेगाहे इस पूरे प्रोजेक्ट के निर्माण की गुणवत्त को लेकर सवाल उठते रहे हैं। सीवरेज लाइन डालने के बाद सड़कों की ठीक से मरम्मत न करना, घटिया निर्माण सामग्री का इस्तेमाल और सड़कों का धंसना यहां आम बात हो चुकी है। करोड़ों रूपए खर्च होने के बाद भी जनता नरकीय जीवन जीने को मजबूर है।

जब यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा बीकानेर के दौरे पर थे तब क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और पीड़ितों ने उन्हें घेर लिया। मंत्री को बताया गया कि किस तरह आरयूआईडीपी के गलत स्लोप के कारण पूरा गंगाशहर भुगत रहा है और जांच के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की गई है। मामले की गंभीरता और जनता के गुस्से को देखते हुए मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने तुरंत एक्शन लिया।

खर्रा ने आश्वस्त करते हुए कहा कि स्थानीय स्तर पर हुई जांच में अगर लीपापोती हुई है, तो उसे बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। उन्होंने जयपुर से एक स्वतंत्र तकनीकी टीम जल्द ही बीकानेर भेजी जायेगी, जो मौके पर आकर सीवरेज के स्लोप की जांच करेगी।

शहरी स्वास्थ्य केन्द्रों का निरीक्षण किया

बीकानेर, (कासं)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पुखराज साध ने शहरी कार्यक्रम अधिकारी नकुल सिंह शेखावत के साथ बीकानेर शहर के विभिन्न शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों (फोर्ट, बीछवाल, तिलक नगर) और शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (मुक्ताप्रसाद नगर) का औचक निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डॉ. साध ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए वार्षिक लक्ष्यों को मासिक स्तर पर विभाजित कर शत-प्रतिशत प्रगति हासिल करने के निर्देश दिए। भीषण गर्मी को देखते हुए उन्होंने अस्पतालों में लू और तापघात से निपटने के लिए पुख्ता प्रबंध करने को कहा।

उन्होंने निर्देश दिए कि अस्पतालों में जीवन रक्षक दवाओं का पर्याप्त स्टॉक रखा जाए और मरीजों के लिए ठंडे पेयजल, छायादार प्रतीक्षा स्थल, कूलर व एसी की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

आंधी-तूफान से 100 से अधिक बिजली पोल टूटे

नापासर, (कासं)। नापासर क्षेत्र में देर रात आए तेज आंधी-तूफान से बिजली विभाग को भारी नुकसान हुआ है। तूफान की तेज रफ्तार हवाओं के कारण नापासर सहित मूंडसर, सूरतसिंहपुरा, केसरदेसर, तेजरासर और बाधनू गांवों में 100 से अधिक नए बिजली के पोल टूट गए। इससे विभाग को लाखों रूपए का आर्थिक नुकसान हुआ।

- नापासर क्षेत्र में आंधी से पोल टूटने से बिजली विभाग को लाखों का नुकसान

सहायक अभियंता नापासर कपिल गुप्ता ने बताया कि ये अधिकांश पोल हाल ही में लगाये गए थे। विभाग के कर्मचारी पिछले एक सप्ताह से क्षेत्र में बिजली व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए नए पोल खड़े करने का कार्य कर रहे थे। रात आये तेज तूफान ने उनकी मेहनत पर पानी फेर दिया। कपिल गुप्ता के अनुसार प्रारंभिक आंकलन में विभाग को करीब 7 लाख रूपए का नुकसान हुआ है। पोलों को दोबारा स्थापित करने और विद्युत व्यवस्था को सुचारू करने में अतिरिक्त समय व संसाधन लगेंगे। विभागीय टीमें गुरूवार सुबह से ही क्षतिग्रस्त स्थलों का सर्वे कर मरम्मत कार्य में जुट गई हैं। तूफान के कारण कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। इसे बहाल करने के प्रयास लगातार जारी हैं। विभाग ने जल्द से जल्द व्यवस्था सामान्य करने का भरोसा दिलाया है।

आंधी के साथ बारिश : महाजन में पिछले तीन-चार दिनों की गर्मी के बाद हल्की बारिश से आमजन को गर्मी से राहत मिली और तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। सुबह से ही धूल भरी तेज हवाएं चली, जिससे लोगों को परेशानी हुई। हालांकि लोगों को गर्मी से राहत मिली है। दोपहर बाद आसमान में घने बादल छा गए।

महाजन सहित मनोहरिया, गुसाईना, बालदेसर, रतनिसार, मोहकमपुरा, घेसुरा और शेरपुरा जैसे आसपास के गांवों में हल्की बारिश हुई। इस बारिश के कारण कस्बे की बिजली आपूर्ति भी बाधित हुई।

पीबीएम को 74 क्विंटल गेहूं भेंट

लूणकरनसर, (कासं)। जिला मुख्यालय स्थित पीबीएम अस्पताल के अन्नपूर्णा भोजनालय के लिए ग्रामीणों ने 74 क्विंटल गेहूं एकत्रित करके सौंपे। यह पहल जरूरतमंद मरीजों और उनके परिजनों को भोजन उपलब्ध कराने में सहायक होगी।

कार्यालय नगरपालिका मंडल सूरतगढ़, जिला श्रीगंगानगर (राज.)
क्रमांकः भूमि/भुउप/2026-27/1324 दिनांक : 04/06/2026
आपत्ति सूचना

हर आम व खास एवं हितबद्ध रखने वाले हर शख्स को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि श्रीमती हरप्रीत कौर पत्नी श्री सुखपाल सिंह जाति कुम्हार सिख निवासी 1/23 पुराना हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, सूरतगढ़ जिला श्रीगंगानगर के कस्बा सूरतगढ़ के खसरा नंबर 328/1/6 में भूखण्ड संख्या 64 साईज 25' गुणा 49' वर्गफुट व खांचा भूमि साईज उत्तर दिशा साईज भू.सं. 64 साईज 10' गुणा 49' वर्गफुट व दक्षिण दिशा भू.सं. 65 साईज 10' गुणा 49' वर्गफुट कुल साईज 2205 वर्गफुट यानि 204.92 वर्गमीटर योजना सेक्रेट हार्ट कान्वेन्ट स्कूल के पश्चिम दिशा सूरतगढ़ में स्थित का आवासीय से मिश्रित प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन करने हेतु आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है। मास्टर प्लान में आवेदित भूमि आवासीय प्रयोजनार्थ आरक्षित है। अतः उक्त स्थल का मिश्रित प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन किये जाने पर किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह शख्स अपनी लिखित आपत्ति इस सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के अन्दर-अन्दर पालिका कार्यालय में निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकता है। मियाद गुजरने पर कोई भी आपत्ति मान्य नहीं होगी। -अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका सूरतगढ़

गेहूं खरीद को लेकर कलेक्ट्रेट का घेराव कल

हनुमानगढ़, (कासं)। समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीद को लेकर किसानों का आक्रोश बढ़ गया है। संयुक्त किसान मोर्चा ने 6 जून को जिला कलेक्ट्रेट पर विशाल प्रदर्शन का ऐलान किया है। किसान नेताओं का दावा है कि इस आंदोलन में करीब 10 हजार किसान और खेत मजदूर भाग लेंगे।

- हनुमानगढ़ में संयुक्त किसान मोर्चा ने किया ऐलान, 10 हजार किसान-मजदूर जुटेंगे

जिले में खरीद अवधि समाप्त होने के बावजूद बड़ी संख्या में किसानों का गेहूं मंडियों में पड़ा हुआ है। पंजीकृत किसानों की उपज की भी खरीद नहीं हो पाई है, जिसके कारण किसान संगठनों ने आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। किसान भवन में गुरूवार को आयोजित प्रेस वार्ता में किसान नेताओं ने बताया कि राज्य सरकार ने गेहूं खरीद की अवधि सात दिन बढ़ाकर 7 जून तक कर दी है, लेकिन खरीद लक्ष्य में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। पुरानी बायोमेट्रिक को भी मानने से इनकार कर दिया गया है। किसान नेता रामेश्वर वर्मा ने मांग की है कि खरीद की तारीख 30 जून तक बढ़ाई जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसानों का गेहूं नहीं बिका तो मजबूरन ट्रालियां कलेक्ट्रेट में खाली की जायेंगी।

किसान नेताओं ने कहा कि वर्तमान हालात में हजारों किसानों की उपज समर्थन मूल्य पर बिक पाना मुश्किल है।

मच्छरावली जोहड़ी में टैंकरों से पानी डलवाया

महाजन, (कासं)। महाजन में भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान के कारण तालाब और जोहड़ सूख गए हैं, जिससे निराश्रित पशुओं के सामने पानी का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। इस समस्या को देखते हुए महाजन और मनोहरिया के युवा इन पशुओं के लिए पानी की व्यवस्था कर रहे हैं।

महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में स्थित मच्छरावली जोहड़ी में रोजाना टैंकरों के माध्यम से पानी डलवाया जा रहा है। महाजन के मुकेश नाथ सिद्ध ने बताया कि फायरिंग रेंज में निराश्रित पशुओं की संख्या काफी है। पानी के प्राकृतिक स्रोत सूख जाने के कारण पशुओं को पानी की तलाश में भटकना पड़ रहा है। पिछले कई दिनों से लगातार टैंकरों द्वारा जोहड़ी में पानी डलवाया जा रहा है, ताकि किसी भी पशु को पानी के अभाव में भटकना न पड़े।

बीकानेर में देर रात आंधी-बारिश, कई जगह पेड़-पोल गिरे

बीकानेर, (कासं)। भीषण गर्मी के बीच बीकानेर में बीती देर रात मौसम ने अचानक करवट ली। रात करीब 11 बजे शहर और आसपास के इलाकों में तेज आंधी और बारिश शुरू हो गई जो करीब आधे घंटे तक जारी रही।

- तेज हवाओं और तूफान के कारण ग्रामीण क्षेत्रों से नुकसान की सूचनाएं मिली हैं

मौसम बदलने से लोगों को गर्मी से राहत मिली, लेकिन कई जगह पेड़ गिरने, बिजली के पोल क्षतिग्रस्त होने और बिजली आपूर्ति प्रभावित होने की सूचना भी सामने आई है। गुरूवार को दोपहर करीब दो बजे अरजनसर में बारिश हुई। बारिश के कारण कस्बे की गलियों में पानी-पानी हो गया।

बीकानेर के अरजनसर-महाजन एरिया में हल्की बारिश हुई है। मौसम विभाग ने सुबह तो बीकानेर में बारिश नहीं होने की जानकारी दी थी लेकिन बाद में बारिश की संभावना जताई। शाम तक बीकानेर में भी रिमझिम होने की उम्मीद है। दिनभर तेज गर्मी के बाद देर रात अचानक आसमान में बादल छा गए। इसके बाद तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। कई इलाकों में तेज तूफान भी चला, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम में आये इस बदलाव से तापमान में गिरावट की संभावना जताई जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार बारिश से पहले बुधवार को बीकानेर प्रदेश के सबसे गर्म शहरों में शामिल रहा। जिले का अधिकतम तापमान 43.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.1 डिग्री अधिक था। वहीं न्यूनतम तापमान 30.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 1.7 डिग्री अधिक रहा।

तेज हवाओं और तूफान के कारण ग्रामीण क्षेत्रों से नुकसान की सूचनाएं मिली हैं। कई जगह पेड़ गिर गए और बिजली के पोल क्षतिग्रस्त हो गए। इसके चलते कई इलाकों में बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हुई।

बिजली विभाग की टीमों ने प्रभावित क्षेत्रों में मरम्मत का काम शुरू किया। विभाग के अनुसार करीब एक घंटे बाद अधिकांश इलाकों में बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई, जिससे लोगों को राहत मिली।

RAJASTHAN UNIVERSITY OF VETERINARY AND ANIMAL SCIENCES, BIKANER

No. :- RAJUVAS/PGS/Pre-PG/2025-26/1809 Date :- 03/06/2026

PRE-PG Test 2025-26 for Admissions to M.V.Sc. and Ph.D. Degree Programmes

Online applications are invited for admissions to M.V.Sc. and Ph.D. degree Programmes in various subjects of Veterinary and Animal Science streams in constituents' collages of RAJUVAS, Bikaner and RUVAS, Jobner (Jaipur) for the Academic Session 2025-26. Candidates will be selected on the basis of Merit of Pre-PG Test 2025-26 conducted by RAJUVAS, Bikaner on 12 July, 2026. Information booklet and filling of online application form will be available on university website **www.rajuvas.ac.in** from 8 June, 2026. An amount of Rs. 3000/- is payable towards application fee through NET banking/Debit card using online gateway mode available only on university website. The last date for filling of Online Application forms is 30 June, 2026. For further query, if any, please contact Office of Dean PGS, RAJUVAS, Bikaner.

Raj.Samwad/C/26/4182 DEAN, PGS

राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान
(स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त निकाय)

एडमिशन अनाउंसमेंट (2026-27)

प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीएम)
(अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) द्वारा मान्यता प्राप्त और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित)

डिस्टेंस लर्निंग मोड के ज़रिए, ये कोर्स अनाउंस किए गए हैः

1.	अस्पताल प्रबंधन	300 सीटें
2.	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण प्रबंधन	100 सीटें
3.	स्वास्थ्य संवर्धन	150 सीटें
4.	सार्वजनिक स्वास्थ्य पोषण	150 सीटें
5.	स्वास्थ्य संचार	150 सीटें
6.	अनुप्रयुक्त महामारी विज्ञान	150 सीटें

ऊपर दिए गए कोर्स मेडिकल और नॉन-मेडिकल ग्रेजुएट के लिए खुले हैं।
ज़्यादा जानकारी, प्रॉस्पेक्टस और एप्लीकेशन फॉर्म के लिए, कृपया डिस्टेंस लर्निंग सेल, रूम नंबर 417, NIHFW, बाबा गंगनाथ मार्ग, मुनिरका, नई दिल्ली-110067
Tel. +91-11-2618 3416, 26165959/26166441 पर संपर्क करें या वेबसाइट www.nihfw.org पर जाएं।
एप्लीकेशन जमा करने की आखिरी तारीखः 14 अगस्त, 2026 (लेट फीस के साथ 31 अगस्त, 2026 तक बढ़ाया जा सकता है)

CBC 17153/11/0001/2627 निदेशक, एनआईएचएफडब्ल्यू

कलेक्टर की बरसिंहसर में जनसुनवाई, पानी, बिजली व सड़क की समस्याएं सुनी

बीकानेर,(कासं)। जिला कलेक्टर निशांत जैन ने गुरूवार को बरसिंहसर में आयोजित ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई में भागीदारी निभाई तथा आमजन के परिवाद सुने।

इस दौरान जिला कलेक्टर ने कहा कि राज्य सरकार के निर्देश पर जिले में भी जनसुनवाई की त्रिस्तरीय व्यवस्था की गई है। आमजन को इसके माध्यम से अधिक से अधिक राहत मिले, इसके मद्देनजर सभी अधिकारी पूर्ण गंभीरता और जिम्मेदारी से कार्य करें। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी प्रत्येक प्रकरण का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करें।

जनसुनवाई के दौरान पानी, बिजली सड़क और राजस्व से जुड़े 14 प्रकरण प्राप्त हुए। इनमें से चार प्रकरणों का मौके पर निस्तारण कर दिया गया। शेष प्रकरणों के संबंध में त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए गए। जिला कलेक्टर ने ग्रामीणों को वंदे गंगा, जल संरक्षण जन अभियान की जानकारी दी और बताया कि 12 दिवसीय अभियान के तहत जिले के लाखों लोगों को जल संरक्षण और इसके समुचित उपयोग के लिए प्रेरित किया गया है। उन्होंने हरियालो राजस्थान और एक पेड़ मां के नाम अभियान की जानकारी दी तथा पौधारोपण भी किया। जिला कलेक्टर ने कहा कि किसान भी बूंद-बूंद पानी का समुचित उपयोग करें तथा कृषि की नई तकनीकों का उपयोग करते हुए अधिक से अधिक मुनाफा कमाएं।

बीकानेर कलेक्टर निशांत जैन ने बरसिंहसर में जनसुनवाई कर आमजन की समस्याएं सुनी तथा राजस्व से जुड़े चार प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण किया।

जिला कलेक्टर ने बरसिंहसर के की आंगनबाड़ी केन्द्र का निरीक्षण किया। यहां बच्चों तथा गर्भवती माताओं दी जाने वाली सेवाओं की जानकारी ली तथा सभी व्यवस्थाएं नॉर्म्स के अनुसार प्रभावी बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने बेटी जन्मोत्सव, एकल बेटी सम्मान और गोद भराई रस्म में भागीदारी निभाई और कहा कि आज बेटियां प्रत्येक क्षेत्र में सफलता के कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। अभिभावकों को चाहिए कि वे बेटियों को आगे बढ़ने के भरपूर अवसर दें। जिला कलेक्टर ने यहां मौजूद महिलाओं से व्यवस्था संबंधी फीडबैक लिया।

अनूपगढ़ पालिका ईओ अभय मीणा निलंबित

अनूपगढ़, (कासं)। स्वायत्त शासन विभाग ने अनूपगढ़ नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी (ईओ) अभय सिंह मीणा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

ये कार्रवाई ईओ मीणा पर लगे भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के आरोपों के बाद की गई है, जिसकी शिकायत मंत्री झाबर सिंह खर्रा से की गई थी। कुछ लोगों ने ईओ अभय सिंह मीणा के खिलाफ भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगाए थे। इन शिकायतों के आधार पर मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कार्रवाई के निर्देश दिए। जिसके बाद स्वायत्त शासन विभाग ने निलंबन के आदेश जारी किए। ईओ अभय मीणा के विरूद्ध संबंधित प्रकरण में अनुशासनात्मक कार्रवाई जारी है। इसी कारण उन्हें तुरंत प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि के दौरान ईओ अभय मीणा का मुख्यालय जयपुर स्थित स्थानीय निकाय विभाग रहेगा।